भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर
ICAR - National Research Centre on Pomegranate
(Indian Council of Agricultural Research)
NH-65, Solapur-Pune Highway, Kegaon, Solapur-413 255 (M.S.)
T-(0217) 2354330, 2350074, 2350263,F-(0217) 2353533
E mail- nrcpomegranate@gmail.com, www.nrcpomegranate.icar.gov.in
(ISO 9001:2008 Certified Institute)

अनार फसल की द्विमासिक सलाह (अप्रिल- मई २०२१)

डॉ.ज्योत्सना शर्मा, डॉ. आशिष माईति, डॉ एन वी सिंह, डॉ. सोमनाथ पोखरे, डॉ. मल्लिकार्जुन और श्री दिनकर चौधरी

I. मृग बहार (मई-जून फसल विनियमन)

बाग कि वर्तमान स्थिति :- रेस्ट अवधि की अंतिम अवस्था या तनाव की अवधि या मई महिने के अंत में फसल विनियमन।

A.बागवानी क्रियाएँ:- फसल (बाग) तनाव / स्ट्रैस की अवस्था में होगा, केवल अगर अग्रिम मृग बहार को लेना है तो एथेफोन ३९% एस एल का उपयोग करके विपर्णन किया जाना चाहिए और इसके बाद मई महीने के अंत में हल्की छँटाई करनी चाहिए (ऊपर से १०-१५ सेमी या रीफ़ील की मोटाई वाली शाखों को काटकर और आंशिक रूप से कांटो को हटाकर). बाग में गिरने वाले पत्तों को हटा देना चाहिये या उर्वरकों के साथ मिट्टी में दबा देना चाहिये।

B. पोषण तत्वों प्रबंधन:-जो लोग मई के अंत में फसल का नियमन कर रहे हैं, उन्हे पहली सिंचाई के समय छँटाई के बाद उर्वरकों को डालना चाहिए:

(१) २५-३० किलोग्राम गोबर की खाद या १५-२० किलोग्राम गोबर की खाद + २ किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट + २ किलोग्राम नीम की खली प्रति पौधा या ७.५ किलोग्राम अच्छी तरह से विघटित मुर्गी की खाद + २ किलोग्राम नीम की खली प्रति पौध.

(२) २०५ ग्राम नत्रजन (४४६ ग्रा नीम कोटेड यूरिया / पौध) ५० ग्रा फोस्फेट (315 ग्रा सिंगल सुपर फोस्फेट/पौध) और १५२ ग्रा पलाश प्रति पौधा (२५४ ग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश या ३०४ ग्रा सल्फ़ेट ऑफ पोटाश प्रति पौध) डालने के बाद हल्की सिंचाई करें।

(३) एज़ोस्पिरिलम एस पी, एस्परजिलस नियजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी और पेनिसिलियम पिनोफिलम को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (ग्लोमस इंट्रारेडीसस) / रार्हिज़ोफगस इर्रेगुलरिस) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें।

नोट: रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों के बाद ही जैवयोगिकों का प्रयोग करें।

C.किट प्रबंधन

- स्टेम बोरेर, शोट होल बोरर, दीमक के लिए नियमित निगरानी/ अवलोकन किया जाना चाहिए, जो शुष्क/ तनाव अवधि के दौरान प्रमुख किट हैं.
- ताना लेपन : लाल मिट्टी को ४ किलो + क्लोरपायरीफोस २०% ईसी २० मिली + कॉपऑक्सीक्लोराइड २५ ग्राम को १०लीटर पानी में मिलाकर पेस्ट बना लेना और २-२.५ फीट ऊपर तक तने पर लगाएं।

D रोग प्रबंधन

- ताजे तैयार १% बोर्डो मिश्रण के स्प्रे को १५ दिनों के अंतराल पर वैकल्पिक रूप से कॉपऑक्सीक्लोराइड ५०% डबल्यू पी (२.५-३.० ग्रा/ली) के साथ लेना चाहिए। यह आराम/ तनाव की अवधि के दौरान जीवणू झुलसा और फफूंद के धब्बों से देखभाल करेगा.
- यदि फसल विनियमन हेतु छंटाई मई में की जाती है तो ब्लीचिंग पाउडर (३३% सीएल) @ २५ किलोग्राम/१००० लीटर/ हेक्टयर की दर से मिट्टी की १ इंच की सतह की ड्रेंचिंग करनी चाहिए।
- विल्ट/ बोरर प्रभावित पौधे यदि कोई हो तो, उसे सावधानी से हटाकर जला देना चाहिए। यदि पिछले महीने में विल्ट के लिए कोई उपचार नहीं लिया गया है, तो आखिर में दिये गये विल्ट निरोधक सारिणी का पालन किया जाना चाहिए.

II. बहार: हस्त (सेप्टेम्बर- ऑक्टोबर फसल विनियमन)

बाग कि मूल स्थिति: फल तोड़ाई या फल तोड़ाई के उपरांत विश्राम की अवस्था

A बागवानी क्रियाएँ:

- यदि बहुत विलंबित हस्त बहार लिया गया है तो, नीचे की तरफ खुले बटर पेपर बैग से फलों को ढकने की सिफारिश की जाती है या ऊपर से पूरी पंक्ति को कवर करते हुए सुरक्षात्मक फसल कवर १.५-३ फीट ऊपर से किनारों की तरफ तक सन बर्न से फलों को बचाने के लिए लगाने की सलाह दी जाती है । यह पौधों की ऊंचाई और क्षत्र पर निर्भर करता है तथा जिस दिशा में सूर्यास्त होता हो उस तरफ ६०% तक कवर किया जाना चाहिए क्योंकि दोपहर तक उस तरफ अधिक धूप मिलती है। यह कुछ हद तक फलों के अजैविक फटाव को भी रोकता है।
- अधिक फल भार वाली शाखाओं को बांस की बल्लियों तथा जीआई तार वाली संरचना से बांध कर सहारा दिया जा सकता है।
- हस्त बहार के फलों की तुड़ाई के बाद मध्ययम से गहरी छँटाई (आपस में टकराने वाली, रोगग्रस्त, टूटी हुई और अधिक भीड़ वाली शाखाओं को हटना) और पोषण के बेसल खुराक को देने की सिफारिश की जाती है।

B. पोषण तत्वों का प्रबंधन:

(i) यदी फसल की अवस्था लगभग १ महीने कि है:

घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फास्फोरस:पोटाश:: 00: ५२: ३४ (मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट), यूरिया और 0:0:५0 @ १२.८0, ३१.४0 और ११.५0 किग्रा / हेक्टेयर /उपयोग क्रमशः ७दिनों के अंतराल पर सिंचाई के साथ तुड़ाई के 15 दिनों के पहले तक दें।

• रंग विकास के लिए 0:५२:३४ का परर्णीय स्प्रे (मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट) ७ ग्राम / ली के दर से कम से कम १० दिनों के अंतराल पर दो स्प्रे लें।

(i) विश्राम अवधि:

- फलों की तुड़ाई के तुरंत बाद, २०-२५ किलोग्राम गोबर की सड़ी हुई खाद या १३-१५ किलोग्राम गोबर की सड़ी हुई खाद + २ किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट +२ किलोग्राम नीम की खली प्रति पौधा या ७.५ किलोग्राम अच्छी तरह से विघटित मुर्गी की खाद + २ किलोग्राम नीम की खली प्रति पौधा मिट्टी में डालें।
- हल्की सिंचाई के बाद 205 ग्राम नत्रजन (४४६ ग्राम नीम कोटेड यूरिया / पौध) ५०ग्राम फोस्फेट (३१५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट / पौध) और १५२ ग्राम पोटाश (२५४ ग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश या ३०४ ग्राम सल्फेट ऑफ़ पोटाश) डालें।
- *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नियजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीज़ोफगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें।
  नोट: रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों बाद जैव योगिकों का उपयोग करें।

C कीट प्रबंधन:

- स्टेम बोरर, शॉट होल बोरर, दीमक, माइट, पत्ती खाने वाले कैटरपिलर और चूसने वाले कीट (मिली बग बग, स्केल कीट आदि) के लिए नियमित निगरानी / अवलोकन किया जाना चाहिए। देखे गए कीट कीट के आधार पर, नीचे उल्लेखित किसी भी कीटनाशक का 2-3 छिड़काव १५ से २०दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
- यदि पर्णपाती कीट का प्रकोप कम देखा जाता है, तो केवल अजेडीरक्टिन / नीम का तेल @ ३मिली / ली पानी का छिड़काव करें। यदि फसल की तुड़ाई १महीने में होने वाली हो तो किसी भी कीटनाशक स्प्रे से बचें, यदि कोई आपातकालीन स्थिति हो, तो स्प्रे लेने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श करें।

विश्राम काल:

१) पर्णीय कीट: बाकी की अवधि में, यदि कोई पर्णीय कीट का संक्रमण अधिक होता है, तो इनमें से किसी भी कीटनाशक के साथ स्प्रे करें- लैम्ब्डा सायलोथ्रिन ५% ईसी @ ०.५-०.७५ मिली / ली, या इंडोक्साकर्ब १४.५% एससी @ ०.७५ मिली / ली या साइएंट्रिनिलिप्रोल @ ०.७५ मिली /ली या थियामेथोक्साम २५% डब्ल्यूजी @ ०.५ग्राम / एल पानी।

२) यदि शॉट होल / स्टेम बोरर का प्रकोप बाग में दिखता है :

स्टेम पेस्टिंग: लाल मिट्टी को ४ किलो + क्लोरपायरीफोस २०% ईसी २० मिली + कॉपऑक्सीक्लोराइड २५ ग्राम को १०लीटर पानी में मिलाकर पेस्ट बना लेना और २-२.५ फीट ऊपर तक तने पर लगाएं।

ड्रेंचिंग: थायमेथोक्साम २५% डब्ल्यूजी @ १०-१५ ग्राम + प्रोपीकोनाजोल २५% ईसी @ १५-२० मिली / १० लीटर पानी

३) मिली बग / स्केल कीट:

• शुरुआती संक्रमण में: अजेडीरक्टिन / नीम तेल १% (१०००पीपीएम) @ ३ मिली / ली + पोंगामिया तेल @ ३मिली / ली पानी का छिड़काव करें।

• यदि संक्रमण देर के चरण में है, तो थियामेथोक्साम १२.६% + लैम्ब्डा-सायलोथ्रिन ९.५% झेड सी @ ०.७५मिली / ली पानी का छिड़काव करें

पत्तों पर माइट का संक्रमण

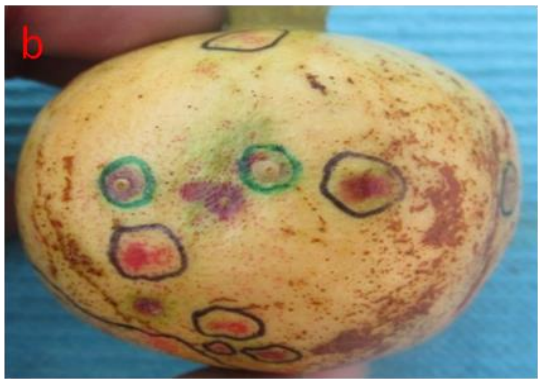

अनार के फल पर स्केल कीटक का संक्रमण

माइट का संक्रमण

- यदि प्रारंभिक अवस्था में माइट का संक्रमण देखा जाता है, तो स्प्रे के लिए अजेडीरक्टिन / नीम के तेल के साथ १% (१०००० पीपीएम) @ ३मिली / ली पानी में लें।
- यदि इन्फेक्शन देर के चरण में है, तो फेनजाक्विन १०% ईसी @ १.५ मिली / ली या फेनप्रॉक्सिमेट ५% ईसी @ ०.४मिली / ली या फोसालोन ३५% ईसी @ २ मिली / ली पानी के साथ स्प्रे लें

D. रोग प्रबंधन:

i) १ महीने में फल की तुड़ाई: किसी भी स्प्रे से बचें, अगर आपातकालीन स्थिति में, कॉपर आधारित कवकनाशी या सल्फर का १स्प्रे ४०% WP @ २.५ग्राम / ली पानी से लें।

ii) विश्राम की अवस्था

● विल्ट और नेमाटोड प्रभावित बागों में तुड़ाई के तुरंत बाद विल्ट उपचार लेना चाहिए। विल्ट निरोधक सारिणी आख़िर में दी गयी है।

● जलवायु और बाग की समस्याओं के आधार पर १०-१५दिनों के अंतराल पर विश्राम की अवधि के दौरान स्प्रे करें - १% बोर्डो मिश्रण या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड ५०% डब्लु पी @ ३ग्राम / ली या कॉपर हाइड्रॉक्साइड ५३.८% डब्लु पी @ २ग्राम / ली का उपयोग २ -ब्रोमो-२-नाइट्रोप्रोपेन-१,३-डायोल (९५%) @ ०.५ग्राम / ली के साथ बदल बदल कर लेना चाहिए। फिर भी यदि कोई कवक रोग देखा जाता है, तो एग्रोकेमिकल्स की एडहॉक सूची (https://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/91.pdf) में उल्लेखित कवकनाशी का एक स्प्रे लिया जा सकता है।

III बहार: अम्बे (जनवरी-फरवरी फसल विनियमन)

बाग कि मूल स्थिति: फूल, फल सेट और फल वृद्धि

A बागवानी क्रियाएँ:

• अगर बहुत ज्यादा वानस्पतिक विकास हो तो शूट पिंचिंग करना चाहिये।

अधिक फल भार वाली शाखाओं को बांस की बल्लियों तथा जीआई तार वाली संरचना से बांध कर सहारा दिया जाना चाहिए।

• जब फल नींबू के आकार का होता है या लगभग १००ग्राम फलों की फल बैगिंग या पूरे पौधों की पंक्ति पर सुरक्षा कवर फलों को तेज़ धूप से बचाने के लिए लगाने की सलाह दी जाती है।

 सनस्काल्ड	 फल बैगिंग
 दानों का भुरापन/ अरिल ब्राउनिंग	 सुरक्षात्मक फसल कवर

B. पोषकतत्व प्रबंधन:

फूल:

- अच्छे फूल लगाने के लिए नेप्थलिन एसिटिक एसिड (एनएए) ४.५% @ २२.५ मिली प्रति १००लीटर पानी का पर्णीय उपयोग
- सूक्ष्म पोषक मिश्रण @ १.०-१.५किग्रा / हे का पर्णीय उपयोग
- *एज़ोस्पिरिलम* एस पी, *एस्परजिलस नियजर*, *ट्राइकोडर्मा विरिडी* और *पेनिसिलियम पिनोफिलम* को अलग अलग सड़ी हुई गोबर की खाद में मिलाकर ६०-७०% नमी बना कर छाँव में १५ दिनों तक गुणन के लिए रखें। पौधों में डालने से पहले इस खाद में अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस* / *राहीजोफैगस इर्रेगुलरिस*) को १०-२० ग्राम प्रति पौधे के दर मिलने के बाद उपयोग करें तथा तुरंत हल्की सिंचाई दें।

नोट: रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों बाद जैव योगिकों का उपयोग करें।

● घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश:: ००: ५२: ३४ (मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट) @ ८.५किग्रा / हे

● जिप्सम @ १.७०-१.८०किग्रा / पौधा और मैग्नीशियम सल्फेट @७००ग्रा / पौधा डालकर उसके बाद मिट्टी में अच्छी तरह मिलाएं। मैग्नीशियम सल्फेट को ड्रिप सिस्टम के माध्यम से भी दिया जा सकता है

(ii) फल सेटिंग स्थिति:

● पौधे के बेसिन से खरपतवार निकालें।

● पेनिसिलियम पिनोफिलम के बायोफोर्मूलेसन को १०-२०ग्राम / पौधे को अच्छी तरह से विघटित गोबर की खाद के साथ मिलाएँ और १५दिनों के लिए मिश्रण में ६०% नमी की मात्रा बनाए रखें और छाँव में गुणन के लिए रखें।

एज़ोस्पिरिलम एस पी, *एस्परजिलस नियजर, ट्राइकोडर्मा विरिडी* और अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस / राहीज़ोफगस इर्रेगुलरिस*) को यदि फसल लेने के शुरुवात में उपयोग नहीं किया है तो करें अन्यथा जरूरत नहीं है।

नोट: रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के २०-३० दिनों बाद जैव योगिकों का उपयोग करें।

● जिप्सम @ १७०-१.८०किग्रा / पौधा और मग्नेसिउम सुल्फट @ ७००ग्रा / पौधा लगाकर उसके बाद मिट्टी और पानी मिलाकर अच्छी तरह मिलाएं। मैग्नीशियम सल्फेट को ड्रिप सिस्टम के माध्यम से भी लगाया जा सकता है

● घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश::००:५२:३४ (मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट) @ 8.5 किग्रा / हे

iii) १०० % फल सेट और फल वृद्धि:

● घुलनशील उर्वरक, नत्रजन: फोस्फेट: पोटाश::००: ५२: ३४(मोनो-पोटेशियम फॉस्फेट), यूरिया और ०:०:५० @ ८.५०, २२.५०और १६.३०किग्रा/ हेक्टेयर /उपयोग क्रमशः सिंचाई के साथ ७दिनों के अंतराल पर ५ बार

● सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण @ १-१.५ किग्रा / हे का पर्णीय उपयोग।

● १५दिनों के अंतराल पर जेब्बेरेलिक एसिड (GA_3) @ ५०पीपीएम (५ग्राम / १००ली) के दो छिड़काव।

C. कीट प्रबंधन:

(i) फ्रूट बोरर (अंडा अवस्था)

● यदि कम इन्फेक्शन देखा जाता है, तो एक स्प्रे लिया जा सकता है और यदि अधिक इन्फेक्शन देखा जाता है, तो दो स्प्रे (१सिंगल और २का संयोजन) को अजेडीरक्टिन / नीम के तेल के साथ १% (१००००पीपीएम) @ ३मिली / ली या पोंगमिया तेल @ ३मि.ली. उपरोक्त ३ + ३मिली / ली पानी में दोनों का ७-१०दिनों के अंतराल पर छिड़काव।

● सभी क्षतिग्रस्त फलों को निकालें और उन्हें गड्ढे में दफन कर दें और कीटनाशक सायनट्रीनिलिप्रोले @०.७५मिली / ली या क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल १८.५ एस सी@ ०.५०मिली / ली या टोल्फेनपायरड १५% ई सी @ ०.७५ मिली / ली में से किसी एक का एक स्प्रे लें या फ्लोनिकमिड ५०% डब्लू जी @ ०.७५-१.०मिली / ली पानी।

• प्रारंभिक संक्रमण: अजेडीरक्टिन / नीम तेल १% (१००००पीपीएम) @ ३मिली / एल + पोंगामिया तेल @ ३मिली / ली पानी का छिड़काव करें।

(ii) मीली बग / स्केल कीट:

• यदि इन्फेक्शन देर के चरण में है, तो थायमेथोक्साम १२.६% + लैम्ब्डा-सायलोथ्रिन ९५% जेड सी @ ०.७५मिली / ली पानी का छिड़काव करें

iii) माइट का संक्रमण

- यदि प्रारंभिक अवस्था में माइट का संक्रमण देखा जाता है, तो स्प्रे के लिए अजेडीरक्टिन / नीम के तेल के साथ १% (१००००पीपीएम) @ ३मिली / ली पानी में लें।
- यदि इन्फेक्शन देर के चरण में है, तो फेनजाक्विन १०% ईसी @ १.५मिली / ली या फेनप्रॉक्सिमेट ५% ईसी @ ०.४मिली / ली या फोसालोन ३५% ईसी @ २ मिली / ली पानी के साथ स्प्रे लें

D. रोग प्रबंधन:

(i) फसल के मौसम के दौरान स्प्रे करें (१०-१४दिनों के अंतराल पर स्प्रे करें)

- प्री-फ्लावरिंग से 1-महीने के अंतराल पर सैलिसिलिक एसिड @येस ए 0.3ग्राम /ली और माइक्रोन्यूट्रीएंट मिश्रण @ २ग्राम / ली के ४ स्प्रे लें।
- १% बोर्डो मिश्रण या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड ५०% डब्लु पी @ ३ग्राम / ली या कॉपर हाइड्रॉक्साइड ५३.८% डब्लु पी @ २ग्राम / ली का उपयोग २ -ब्रोमो-२-नाइट्रोप्रोपेन-१,३-डायोल (९५%) @ ०.५ग्राम / ली के साथ बदल बदल कर लेना चाहिए।
- यदि बाग में जीवाणु झुलसा का पहले संक्रामण रहा है तो स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट ९०% + टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड १०% (स्ट्रेप्टोसाइक्लिन) @ ०.५ ग्राम / ली का एक छिड़काव महीने में एक बार ब्रोनोपाल के छिड़काव से ७-१० दिनों के अंतराल पर लें। बहुत छिड़काव ना लें, अगर बारिश होती है तो स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + कॉपर का एक अतिरिक्त स्प्रे लें।

- बाग में मौजूद फफूंद की समस्याओं के आधार पर, कॉपर आधारित योगों का उपयोग फफूंदनाशकों के रूप में किया जा सकता है। अनार स्कैब, स्पॉट्स और रॉट्स के लिए कुछ प्रभावशाली फफूंदनाशक हैं:

अनार के फंगल स्कैब, धब्बे और सड़न के लिए कुछ कुछ प्रभावशाली फफूंदनाशक	
१. मैंडीप्रोपिडम २३.४% एससी @ १मिली / ली	७. कॉपर ऑक्सीक्लोराइड ४५% + कसुमाइसिन ५% @ २.५ग्राम / ली
२. मेटिरम ५५% + पाइरक्लोस्ट्रोबिन ५% ईसी @ 3 जी / एल	८. ज़िनब ६८% + हेक्साकोनाज़ोल 4% डब्ल्यूपी @ 2.5 ग्राम / ली
३. प्रोपिकोनाज़ोल २५% ईसी @ १मिली / एल + एज़ोक्सिस्ट्रोबिन @ १मिली / ली	९.ट्रायसायक्लाज़ोल१८% +मंकोज़ेब्६२% डब्लू पी @ २.५ग्राम /ली
४. एज़ोक्सिस्ट्रोबिन २०% + डेफ़नकोनाजोल १२.५% एससी @ २मिली / ली	१०. क्लोरोथालोनिल ७५% डब्लू पी @ २ग्राम / ली
५. क्लोरोथालोनिल ५०% + मेटलजैक्सिल एम ३.७५% @ २मिली / ली	११. प्रोपिकोनाज़ोल @ १मि.ली. / ली
६. बोर्डो मिश्रण @ ०.५%	

सर्वश्रेष्ठ परिणाम फूल और फल की स्थापना के दौरान १०-१४ दिनों के अंतराल पर २-३ छिड़काव के बाद प्राप्त होते हैं। यह छिड़काव बाद के चरणों में ज्यादा छिड़काव की स्थिति से बचने के लिए जरूरी है। बोर्डो मिश्रण को छोड़कर सभी के साथ हमेशा स्प्रेडर स्टिकर/ चिपकू का उपयोग करें। कॉपर फफूंदनाशकों को छोड़कर किसी भी कवकनाशी का उपयोग सीजन में २बार से अधिक नहीं करना चाहिए।

फफूंद विल्ट/ उकठा प्रबंधन

फल तुड़ाई के बाद या फसल विनियमन के प्रारंभिक स्थिति में केमिकल ड्रेंचिंग को प्राथमिकता दें

निम्न विधियों में से केवल एक का उपयोग करें

- विधि : (१ ड्रेंचिंग प्रोपिकोनाज़ोल २५% @ २ एमएल / लीटर + क्लोरपायरीफास @२ एम एल / ली याथियामेथोक्साम २५% डब्लू जी @ १-१.५ ग्राम / ली (१० लीटर घोल)। पहले उपयोग के ३० दिनों के बाद *एस्परजिलस नायजर* के साथ ए यन२७ (नए पैक्स में आईआरए जि ०७ के साथ एयन २७ है) कवक @ ५ग्राम / पौधा २ किलोग्राम / पौधा सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ, ३ उपयोग दूसरे उपयोग के ३० दिनों के बाद - एएमएफ कवक अर्बुस्कूलर म्यकोर्राहिजा (*ग्लोमस इंट्रारेडीसस/ राहीज़ोफगस इर्रेगुलरिस*) @ २५ ग्राम /पौधा २ किलो सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ इस्तेमाल करें

या

- विधि ॥:प्रोपिकोनज़ोले२५%@ २ मिली / ली + क्लोरपायरीफास @२ एम एल / ली (१0 लीटर का घोल और ३ बार २० दिनों के अंतराल पर

या

- विधि III: पहली और तीसरी ड्रेंचिंग फॉसेटाइल अल 80% WP @ 6 g / पौधा (१० लिटर)] [दूसरी और चौथी ड्रेचिंग तेबुकोनज़ोले २५.९% डब्लू / डब्लू ई सी @ ३यम यल/पौदा (१० ली)] के साथ २०दिनों के अंतराल पर
  नोट: पूर्ण विवरण के लिए, ड्रेंचिंग की विधि कृपया एनआरसीपी वेबसाइट पर विल्ट संबन्धित सलाह देखें

निमाटोड/ सूत्रकृमि संक्रमण

फंगल विल्ट प्रबंधन में उल्लिखित विधि में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न जैवसूत्रीकरण रूट नॉट नेमाटोड का भी ध्यान रखते हैं। नेमाटोड प्रबंधन के लिए वैकल्पिक रूप से प्रभावशाली सूक्ष्म जीवों के श्रेणी में पैसिलोमायसीज या ट्राइकोडर्मा को जोड़ा जा सकता है।

विश्राम की अवधि के दौरान / या बहार विनियम से पहले: निमेटोड संक्रमण अधिक होने पर निम्न विधियों में से किसी एक का उपयोग किया जाना चाहिए:

1. फ्लुयनसल्फ़ोन २% जि आर @ १०ग्राम/ ड्रिपर (फ्लुयनसल्फ़ोन की अधिकतम उपयोग ४०ग्राम / पौधा से अधिक नहीं होनी चाहिए) प्रत्येक ड्रिपर के नीचे ५-१० सेमी का एक छोटा गड्ढा बनायें, इसमें १० ग्राम दानेदार नेमटिसाइड डालें और इसे मिट्टी से ढँक दें, फसल पकड़ने पर हल्की सिंचाई करें।
2. वैकल्पिक रूप से, फ्लुओपायरम ३४.४८% एससी @ २ मिली / पौधा के साथ पौधों की ड्रेंचिंग किया जा सकता है। केमिकल ड्रेंचिंग से पहले पौधों की पर्याप्त रूप से सिंचाई की जानी चाहिए। दो लीटर पानी में २ मिलीलीटर नेमाटिसाइड मिलाएं और ५०० मिलीलीटर प्रति ड्रिपर (४ ड्रिपर्स / पौध) या १००० मिलीलीटर प्रति ड्रिपर (२ड्रिपर्स / पौध) डालें।

आईसीएआर-एनआरसीपी वेबसाइट पर महत्वपूर्ण लिंक

- पोषक तत्व प्रबंधन अनुसूची २०१९ अंग्रेजी में (http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/41.pdf)
- पोषक प्रबंधन अनुसूची२०१९ मराठी में (http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/36.pdf)
- IDIPMSchedule: - http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory.info
- अनार 2020 के लिए रसायन की एडहॉक सूची

(https://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/91.pdf)

- एग्रोकेमिकल्स 2020 के व्यापार नामों की सूची (https://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/90.pdf)
- मराठी में सलाह (https://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/76.pdf)
- अंग्रेजी में सलाह देना (https://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/86.pdf)